



भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय,
कोट्टयम बीए



अंक 4

कोट्टयम बीए की डिजिटल गृह पत्रिका

'रश्मि' 2022



हिंदी पखवाड़ा 2022 का उद्घाटन के अवसर पर दीप जलाते हुए
माननीय महाप्रबंधक श्री.जी.एन.होवाल, आईटीएस;



कवर - श्री.पाजु.सी.एस,
उपमंडल इंजीनियर, चंगनाशेरी का पेंटिंग

संपादक मंडल

संरक्षक

श्री.जी.एन.होवाल, आईटीएस
महाप्रबंधक कोट्टयम बीए

उप संरक्षक

श्रीमती.हेमलता.वी,
उपमहाप्रबंधक(मुख्यालय)

श्रीमती.लता.एस,
उपमहाप्रबंधक(विपणन)

श्री.जोजी.के
आंतरिक वित्तीय अधिकारी

अध्यक्ष

श्रीमती.अबिता.पी.के
सहायक महाप्रबंधक(प्रशासन)

तकनीकी सहाय

श्री.प्रशांत.पी.के,
कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी (कंप्यूटर)

श्री.नागराज जोगु,
कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी (कंप्यूटर)

संपादक मंडल

श्री.एम.पी.श्रीकुमार
कनिष्ठ हिंदी अनुवादक

श्रीमती.गीता.जी.पी
कनिष्ठ हिंदी अनुवादक

रश्मि

कोट्टयम बीए की डिजिटल गृह पत्रिका

इस अंक में

हिंदी पखवाडा का 2022 का उद्घाटन	2
संपादकीय	3
संदेश	4
राजभाषा नीति का प्रमुख निदेश	5
राजभाषा कार्यान्वयन पर एक नज़र	10
आज़ादी का अमृत महोत्सव	12
भारत का संविधान	13
सच्चे ज्ञान की खोज	14
A Trip to Andaman	15
മഹാമൗനത്തിൽ നിന്ന്-കവിത	16
कुछ सुविचार	17
यूनिकोड -कैसे सक्रिय बना सकते हैं	17
भारत के चर्चित महिलाएं	18
हिंदी पखवाडा 2021	19
നിടാ ബാല്യം എങ്കിലും -കവിത	24
महान कवि - हरिवंशराय बच्चन का परिचय	25
गणतंत्र दिवस समारोह	26
स्वतंत्रता दिन समारोह	27
तिरंगा प्यारा - कविता	27
മാനീഷ്യാദാ - കവിത	28
टेलीफोन सलाहकार समिति की बैठक	29
नराकास की अर्ध वार्षिक बैठक	30
नराकास की संयुक्त हिंदी सप्ताह समारोह	31
अपने आज पर यकीन रखें - कविता	33
पेंयटिंग और कलरिंग - बच्चे	34
हमारे बी ए के सेवामित्त स्टाफ	35
ओणम 2022	36
വിദ്യാരംഭം - കവിത	41
यूँ ही बैठे बैठे- कविता	42
बोलचाल के लिए कुछ शब्दों का परिचय	43
हिंदी कार्यशाला की झलके	51
Self care activation messages for mobile	52

संपादकीय

साथियो

अपने विचारों को दूसरों तक पहुँचाने के लिए भाषा अनिवार्य है । बच्चा पैदा होने के बाद वह अपनी माँ से मातृभाषा अपनाता है । बचपन में वह अपने परिवारवालों से और दोस्तों से बातचीत करके अपनी भाषा में होने वाली गलतियों को सुधार करके अच्छी तरह बोलना शुरू करता है । हमारे राज्य केरल में त्रिभाषा पद्धति अपनाने के कारण पाचवीं कक्षा से लेकर हम अंग्रेजी, हिंदी और मलयालम भाषाएं पढ़ते हैं। दसवीं कक्षा पूरा करने के बाद हमको इन तीनों भाषाओं में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त होता है।

बीएसएनएल भारत सरकार का उद्यम होने के कारण भारत सरकार के नियमों को पालन करना हमारा दायित्व है। भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार फाइलों में राजभाषा हिंदी में भी टिप्पण लिखना है। कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त होने के कारण हमको हिंदी में फाइल नोटिंग करना बहुत मुश्किल काम तो नहीं है। हिंदी में फाइल नोटिंग करने के लिए प्रार्थना करते हुए कोर्टयम बीए की गृह पत्रिका ' रश्मि ' का चौथा अंक डिजिटल रूप में कोर्टयम बीए के राजभाषा अनुभाग द्वारा आपके सामने प्रस्तुत करने जा रहा है । हमको विश्वास है कि इसमें प्रस्तुत लेख, कहानी, कविता आदि आपको पसंद होगा । कृपया आपके विचारों को हमें अवगत कराने की कोशिश कीजिए ।

राजभाषा हिंदी के गर्व बढ़ाने के साथ-साथ बीएसएनएल की प्रगति के लिए हमें एकसाथ काम करने की आशा है।

सधन्यवाद

संपादक मंडल

हिंदी अनुभाग,

बीएसएनएल, कोर्टयम बी ए.

संरक्षक की कलम से ...



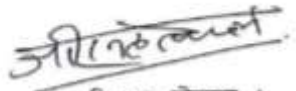
प्रिय साथियो,

सन् 2022 के हिन्दी पखवाडे का औचित्य साधते हुए, हमारी गृहपुस्तिका "रश्मि" का चौथा अंक प्रकाशित किया जा रहा है, यह जानकर मुझे बड़ी प्रसन्नता मिली।

जैसा कि आप सब जानते हैं, केन्द्र सरकार के कर्मचारी होने के नाते राजभाषा हिन्दी का प्रचार एवं प्रसार करना हम सब का कर्तव्य एवं दायित्व है। मैं समझता हूँ कि अगर हम अपने आप को हिन्दी साहित्य एवं कलाकृतियों से जोड़ने का प्रयास करें तो इस भाषा के अलग अलग पहलुओं को समझने में हमें काफी मदद मिलेगी, और फिर हम अपने दायित्व को अधिक सफलतापूर्वक निभा पाएंगे। गृहपुस्तिका "रश्मि" हमें उस दिशा में एक कदम आगे ले जा सकती है। अपने ही साथियों की कविताएं, लेख, एवं अन्य ज्ञानवर्धक जानकारी के संकलन से इसकी रचना की गयी है। अतः इससे पढ़ने में आप सभी को खूब आनंद मिलेगा इस बात का भी मुझे विश्वास है।

मनोरंजन के किसी भी साधन या आयोजन का मुख्य उद्देश्य आम तौर पर यही होता है कि हम अपनी ऊर्जा को पुनःजीवित कर सकें, उसे बनाएं रखें, और जीवन के अन्य सभी कार्यों में अधिक से अधिक योगदान दे सकें। मुझे आशा है कि BSNL को मौजूदा परिस्थितियों से निकालकर पुनः प्रगतीपथ पर ले जाने के लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी निरंतर प्रयास करते रहेंगे। सेवाओं के प्रति लगन और निःस्वार्थ भाव ही हमारे सपनों और खाहिशों को वास्तविकता में बदल सकते हैं...

शुभकामनाओं सहित,


(जी.एन.होवाल)
महाप्रबंधक वित्तसंचार
बीएसएनएल, कोट्टयम बीए

बीएसएनएल निगम कार्यालय द्वारा भारत संचार निगम लिमिटेड के विभिन्न परिमंडलों/कार्यालयों को राजभाषा नीति संबंधी जारी किए जानेवाले प्रमुख निदेश

1. राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत संकल्प, सामान्य आदेश, नियम, अधिसूचना, प्रशासनिक व अन्य रिपोर्ट, प्रेस विज्ञप्तियाँ, संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखी जानेवाली प्रशासनिक तथा अन्य रिपोर्ट व सरकारी कागज़ात, संविदा, करार, अनुज्ञप्तियाँ, अनुज्ञापत्र, निविदा सूचनाएं और निविदा प्रपत्र द्विभाषिक रूप में जारी किए जाएं। राजभाषा नियम 1976 के नियम 6 के अंतर्गत ऐसे दस्तावेज़ों पर हस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर करनेवाले व्यक्ति का दायित्व यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसे दस्तावेज़ हिंदी और अंग्रेज़ी, दोनों भाषाओं में तैयार, निष्पादित अथवा तैयार किए जाएं।

Under Section 3(3) of the Official Language Act, 1963, Resolutions, General Orders, Rules, Notifications, Administrative or other Reports, Press Communiques, Administrative or Other Reports and Official Papers to be laid before a House or House or Parliament, Contracts, Agreements, Licenses, Permits, Tender Notices and Forms of Tender should invariably be issued bilingually(Hindi-English). Under Rule 6 of the Official Language Rules, 1976, it shall be the responsibility of the persons signing such documents to ensure that such documents are made, executed or issued both in Hindi and in English.

2. राजभाषा नियम, 1976 के नियम 5 अनुसार सरकारी कार्यालयों से हिंदी में प्राप्त पत्रादि का उत्तर हिंदी में दिया जाना है।

As per Rule 5 of Official Language Rules, 1976, communications received in Hindi are replied in Hindi only by the Government Offices.

3. राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10(4) के अनुसार केंद्र सरकार के जिन कार्यालयों के 80 प्रतिशत कर्मिकों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया हो, उन कार्यालयों के नाम राजपत्र में अधिसूचित किए जाएं।

Under Rule 10(4) of Official Language Rules 1976, the Central Government Offices are required to notify the names of the offices in the Official Gazette, wherein 80% of the staff have acquired working knowledge of Hindi.

4. राजभाषा नियम, 1976 के नियम 8(4) के अनुसार कार्यालय प्रमुख ऐसे अधिसूचित कार्यालयों के हिंदी में प्रवीणता प्राप्त अधिकारियों / कर्मचारियों को टिप्पण, प्रारूपण और अन्य उन शासकीय कार्यों को केवल हिंदी में करने के लिए आदेश जारी कर सकती है, जैसा कि आदेशों में विनिर्दिष्ट हो ।

Rule 8(4) of the Official Language Rules 1976, requires the Head of the Office to issue orders for the employees of the notified offices who have proficiency in Hindi to work only in Hindi for noting, drafting and for such other official purpose as specified in the order.

5. राजभाषा नियम, 1976 के नियम 12 के अनुसार बीएसएनएल के प्रत्येक कार्यालय के प्रशासनिक प्रधान का यह उत्तरदायित्व है कि वह यह सुनिश्चित करें कि राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियम के प्रावधानों तथा इनके अधीन जारी किए गए निदेशों का समुचित रूप से अनुपालन हो तथा इस प्रयोजन के लिए उपयुक्त एवं प्रभावकारी जाँच बिंदु बनाए जाएं।

Rule 12 of the Official Language Rules, 1976, requires the Administrative Head of each Central Government office to ensure that the provisions of the Official Language Act, Official Language Rules and directions issued there under are properly complied

with used in this order for boards, sign boards, name plates and directional indicators.

6.हिंदीतर परिमंडलों में बोर्ड, साईन बोर्ड, नामपट्ट तथा दिशा संकेतकों केलिए क्षेत्रीय भाषा, हिंदी तथा अंग्रेज़ी, इसी क्रम में, प्रयोग की जानी चाहिए ।

In non-Hindi speaking circles, respective Regional Language, Hindi and English should be used in this order for boards, sign boards, name plates and directions indicators.

7.बीएसएनएल के कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों का यह संवैधानिक दायित्व है कि वे सरकारी कामकाज में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करें। इससे उनके अदीन कार्य कर रहे अधिकारियों / कर्मचारियों को प्रेरणा मिलेगी तथा राजभाषा निति के अनुपालन में गति मिलेगी।

It is the Constitutional obligations on senior officers of the BSNL Offices to make progressive use of Hindi in their official work. This in turn will motivate the officials/employees working under them, thereby giving impetus to the compliance of Official Language Policy.

8. बीएसएनएल के सभी कार्यालय हिंदी केप्रयोग को बढावा देने केलिए चलाई गई विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं का अपने कार्यालयों में व्यापक प्रचार-प्रसार करें ताकि अधिक से अधिक अधिकारी/कर्मचारी इन योजनाओं का लाभ उठा सके और सरकारी कामकाज में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में हो।

All the BSNL Offices should widely promote and propagate the various incentive schemes in their offices in order to accelerate the use of Hindi, so that maximum numbers of officials/employees are benefited by these schemes and Hindi is increasingly used in official work.

9. विभिन्न कार्यालयों में हिंदी में कार्य करने में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए हिंदी कार्यशालाओं के आयोजन के संबंध में नए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। नए दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्यशाला की न्यूनतम अवधि एक कार्यदिवस की होगी। कार्यशाला में न्यूनतम दो तिहाई समय कार्यालय से संबंधित विषयों पर हिंदी में कार्य करने का अभ्यास करवाने में लगाया जाए।

To overcome the difficulties faced by various offices in doing the official work in Hindi, new guidelines have come into effect forthwith to organize Hindi workshops. According to new guidelines, the duration of workshop should be minimum one working day. Minimum two third of the time of workshop shall be devoted to the actual practice of doing the official work in Hindi on the subjects related to that office.

10. प्रशिक्षण और कार्यशालाओं सहित राजभाषा हिंदी संबंधी कार्य कर रहे अधिकारियों / कर्मचारियों को कार्यालय में बैठने के लिए अच्छा व समुचित स्थान एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएं ताकि वे अपने दायित्वों का निर्वाह ठीक तरह से कर सकें।

The Officers/employees handling Hindi work including training and workshops should also be provided good and sufficient space and other necessary facilities to sit in the office to facilitate them to discharge their duties properly.

11. हमें अपने कार्य-व्यवहार में आम जीवन में प्रचलित शब्दों के प्रयोग पर बल देना चाहिए ताकि सामान्य नागरिक सरकारी नीतियाँ / कार्यक्रमों के बारे में सरल हिंदी में जानकारी प्राप्त कर सके।

Emphasis should be given on the use of popular words in our routine work so that citizens have an access to Government Policies / Programmes in simple Hindi language.

12. भारत संचार निगम लिमिटेड के सभी कार्यालयों के कंप्यूटरों में यूनिकोड की सुविधा हो ताकि कंप्यूटरों पर हिंदी में भी कार्य किया जा सके।

All BSNL Offices should have the facility of Unicode on computers so that work on computers may be done in Hindi also.

13. यह देखा गया है कि परिमंडलों द्वारा वेबसाइट पर या तो सूचना हिंदी में नहीं दी जाती या कुछ मामलों में यह पूर्णतया हिंदी में उपलब्ध नहीं है। अतः वेबसाइट हिंदी में विकसित और नियमित रूप से अद्यतित करवाएं।

It has been noticed that in the website of many circles information in Hindi is not being provided or in some cases it is not available completely in Hindi. Website should therefore be developed and updated in Hindi regularly.

14. राजभाषा विभाग द्वारा केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से हर वर्ष कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने के लिए 5 दिवसीय बेसिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करवाया जाता है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अधिक से अधिक अधिकारियों / कर्मचारियों को नामित करें। प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा होने के बाद प्रशिक्षु कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य कर सकेंगे। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान की वेबसाइट www.Chti.rajbhasha.gov.in पर उपलब्ध है।

The Department of Official Language, every year conducts Basic Computer Training Programmes in Hindi through Central Hindi Institute and the duration of each programme is five days. Maximum number of officers/ employees may be nominated for these training programmes. Trainees will be able to work in Hindi on computer after completion of the training programmes. Details of the programmes may be seen at the website of the Central Hindi Training Institute at www.Chti.rajbhasha.gov.in

15. राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर 'ई-सरल हिंदी वाक्यकोश' शीर्षक के अंतर्गत सामान्यतः अंग्रेज़ी में प्रयोग होने वाले वाक्यों के हिंदी अनुवाद दिए गए हैं जिनके प्रयोग से अधिकारी फाइलों पर सामान्य टिप्पणियाँ आसानी से हिंदी में लिख सकते हैं।

Hindi translation of the generally used English sentences has been provided by the Department of Official Language on its website under the heading "E-saral Hindi Vakyakosh" so that officers may write noting in Hindi on files easily by using them.

वार्षिक कार्यक्रम के अनुपालन में 2021-22 के दौरान कोट्टयम बीए में राजभाषा कार्यान्वयन पर एक नज़र

द्विभाषी पत्राचार की प्रतिशतता - 55% और फाइलों में टिप्पण की प्रतिशतता - 30% हासिल की गई है। हर तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संचालित कर रहे हैं। कोविड के धरातल में भी हर तिमाही में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन कार्यशालाएं आयोजित कर रहे हैं। सितंबर महीने में हिंदी पखवाडा प्रतियोगिताओं के साथ समुचित रूप में मनाते हैं। धारा 3(3) के अधीन आनेवाले दस्तावेजों को पूर्णतया द्विभाषी तैयार कर रहे हैं। हर साल हिंदी पुस्तकालय के लिए पुस्तकें खरीदते हैं। कोट्टयम बीए लॉन में राजभाषा नियम, अधिनियम, पत्रों के नमूने आदि के साथ डिजिटल रूप में 'अक्षर साथी' नाम के एक पुस्तिका का लिंक दिए गए हैं। भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन प्रभावी बनाने के लिए संबंधित मदों के लिए जाँचबिंदु रखे गए हैं। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के कार्यकलापों में भी बीएसएनएल कोट्टयम अपनी भूमिका निभाते हैं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव



देशभर हम आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाए। आज़ादी के 75 साल के इस मौके पर भारत के बारे में कुछ जानकारी।

1. आज़ाद हिंद फौज की स्थापना किसने की ? नेताजी सुभाष चंद्रबोस
2. भारत का राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम कहाँ से उद्धृत किया गया है ?
आनंद मठ से
3. 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक चिह्न क्या था ?
कमल का फूल और रोटी
4. 'सारे जहाँ से अच्छा' कविता किसने लिखी ? मुहम्मद इक्बाल
5. भारत की झंडा किसने बनाया ? पिंगाली वाकस्या
6. किस शहर में ईस्ट इंडिया कंपनी अपने व्यापार शुरू किए थे ? सूरत
7. स्वतंत्रता सेनानी शहीद भगत सिंह किस संगठन से जुड़े थे ?
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
8. 1920 में असहयोग आंदोलन की शुरुआत के साथ किसकी मृत्यु हुई ?
लोकमान्य तिलक
9. 'इंकलाब जिंदाबाद' नारा किसने लगाया ? शहीद भगतसिंह
10. 'करो या मरो' नारा किसका है ? महात्मा गाँधी

जयंति शब्द का प्रयोग मुख्यतः किसी घटना के घटित होने के दिन की, आगे आनेवाले वर्षों में पुनरावृत्ति को दर्शाने के लिए किया जाता है। इसे वर्षगाँठ भी कह सकते हैं।

25 th Jayanthi - Silver Jubilee - रजत जयंति	50 th Jayanthi - Golden Jubilee - स्वर्ण जयंति
75 th Jayanthi - Diamond Jubilee - हीरक जयंति	100 th Jayanthi - Centenary Jubilee - शताब्दि जयंति

‘देशभक्ति का मतलब किसी ध्वज को लहराना नहीं है बल्कि अपने देश को मजबूत और सशक्त बनाने में सहायता करना भी है।’

संकलन
गीता जी.पी

भारत का संविधान

दो वर्ष और ग्यारह महीने तथा 18 दिन में भारतीय संविधान का निर्माण किया गया था।

संविधान सभा में कुल 389 सदस्य थे, जो स्थूल रूप से 10 लाख की जनसंख्या के लिए एक स्थान का अनुपात रखा गया था, प्रत्येक प्रांत के स्थानों की जनसंख्या के अनुपात में तीन प्रमुख संप्रदायों - मुस्लिम, सिख और साधारण में बाँटा गया। विभाजन के परिणामस्वरूप 3 जून 1947 की योजना के अधीन पाकिस्तान के लिए अलग संविधान सभा गठित की गई। 31 अक्टूबर, 1947 को सभी की सदस्यता घटकर 299 रह गई, इनमें से 26 नवंबर को कुल 284 सदस्य उपस्थित थे, जिन्होंने संविधान पर हस्ताक्षर किए। 11 दिसंबर 1946 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद को संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष चुना गया। संविधान निर्माण के लिए विभिन्न समितियों का निर्माण किया गया। इन समितियों से प्रमुख प्रारूप समिति के अध्यक्ष पद पर डॉ. बी. आर. अंबेडकर को बनाया गया। 26 नवंबर, 1949 को संपन्न संविधान सभा की बैठक में सभापति तथा उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर के साथ संविधान सभा ने भारत के संविधान को अंगीकार कर लिया। संपूर्ण संविधान 26 जनवरी, 1950 को लागू किया गया। 26 जनवरी 1950 को भारत को गणतंत्र घोषित किया गया और यही दिन प्रथम गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया गया। डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति नियुक्त किया गया। भारतीय संविधान विश्व का सबसे लंबा लिखित संविधान है। भारतीय संविधान में प्रस्तावना या उद्देशिका के अतिरिक्त मूल संविधान में 395 अनुच्छेद तथा 8 अनुसूचियाँ थी। वर्तमान में संविधान में 470 अनुच्छेद 12 अनुसूचियाँ जिस में 5 परिशिष्ट हैं।

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

गान - जनगणमना	फूल - कमल	फल - आम
ध्वज - तिरंगा	खेल - हॉकी	नदी - गंगा
पक्षी - मोर	गीत - वंदेमातरम्	जलीय जंतु - डॉल्फिन गंगा
पशु - बाघ	वृक्ष - बरगद	सर्प - किंग कोबरा

श्रीमती गीतु एन,
क दू अ जन शिकायत कक्ष
द्वारा संकलित

सच्चे ज्ञान की खोज

एक राजा ने अपने मंत्री -परिषद् के समक्ष तीन प्रश्न किए-

पहला - सबसे अच्छा मित्र कौन ?

दूसरा - सबसे अच्छा समय कब ?

तीसरा - सबसे अच्छा काम क्या ?



प्रत्येक मंत्री ने उत्तर अलग-अलग सुझाए, किसी ने कहा ज्योतिषी द्वारा निर्धारित समय, कर्म तथा मित्र सर्वश्रेष्ठ है। किसी ने राजा के मित्र के रूप में मंत्री और सेनापति के नाम सुझाए, इन बातों से राजा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। वह जंगल की ओर चला, जहाँ एक ऋषि रहते थे, शाम का समय राजा अपने सिपाहियों सहित घोड़े पर सवार वन में पहुँचा, देखा ऋषि तो वहाँ नहीं, लेकिन एक कुटिया की बगल में एक बूढ़ा व्यक्ति अपनी खेती कोड रहा है। वह अपने सिपाहियों को बाहर खड़ा रहने का आदेश देकर उस बूढ़े के निकट गया। ऋषि के बारे में पूछा- बूढ़े ने कहा यह नाम तो उसी का है, राजा ने तीनों प्रश्न ऋषि से किए, ऋषि बीज बो रहे थे, राजा से भी मदद करने को कहा राजा बीज बोता रहा, लेकिन उसे अपने प्रश्नों का कोई उत्तर नहीं मिला। जब अंधेरा घना हो गया, तो एक घायल के कराहनें, चिल्लाने की आवाज़ सुनाई पड़ी। ऋषि ने राजा से कहा, चलें इसकी मदद करें। घायल व्यक्ति कराह रहा था, जब उसे होश आया तो राजा को देखते ही फसके चरणों में गिर पड़ा और क्षमा माँगने लगा।

राजा को आश्चर्य हुआ यह कौन मनुष्य है, वस्तुतः वह राजा को मारने आया था, लेकिन सिपाहियों ने उसे घायल कर दिया था, अब वह राजा से क्षमा याचना करने लगा।

राजा को अपने प्रश्नों का उत्तर अभी तक नहीं मिला था, उन्होंने ऋषि से पूछा - ऋषि ने कहा आपके प्रश्नों का उत्तर तो मिल गया - सबसे अच्छा मित्र आपके सामनेवाला है, सबसे अच्छा समय वर्तमान और सबसे अच्छा कर्म उपस्थित कर्म है, यदि ऐसा न होता, तो यह व्यक्ति आपका मित्र कैसे हो जाता, जो आपकी हत्या करने आया था ?

आभार

प्रेरक कथाएं

उपाधियाँ और डिप्लोमा

Bachelor of Engineering - इंजीनियरी स्नातक

Bachelor of Business Administration – व्यवसाय प्रशासन स्नातक

Diploma in Civil Engineering – सिविल इंजीनियरी डिप्लोमा

Diploma in Yoga and Naturopathy – योग प्राकृतिक चिकित्सा डिप्लोमा

Master of Computer Applications - कंप्यूटर अनुप्रयोग निष्णात



A TRIP TO ANDAMAN

Our Onam vacation trip was to Andaman Islands with my father and brother. We started our journey on 08.09.2019 by train from Alappuzha to Chennai. During the train journey we saw hills, paddy fields, waterfalls and rivers. After 16 hrs of train journey we reached Chennai. We went to the air port and boarded flight to Port Blair on 09.09.2019 at 5 am and we reached there around 07.30 am. My father's friend was there to receive us at Veer Savarkar Airport. We went to BSNL Holiday home at Port Blair for our stay. In the evening we went to see the Cellular jail. During the light and sound show, the history of Cellular Jail and its importance in India's Independence struggle was explained. On 10.09.19 morning we sent to Marina Park at Port Blair. As it was raining we could not enjoy the ricks. Then we went to boat jetty and took a boat to Rose Island. It was the old capital of Andaman. There we saw Japanese bunker, ruined barracks of soliders and freely roaming deers and peahens. From there we went to North Bay Island. My father told me that the picture behind the twenty rupee note is North Bay Island beach and light house. There we went to under the sea ride and saw coral reef and fishes. By evening we went back to Port Blair. In Andaman sunrise is at 4.30 pm. On 11.09.2019 we went to Samudirka museum and saw various corals, shells and tribal belongings. In the evening we went to the flag hoisting point at Andaman where Netaji Subash Chandra Bose hoisted Indian Flag on 30th December 1943 for independent India. Then we went to Corbyns Cove Beach. On 12.09.2019 we went to shipyard and embarked Sea Link passenger ship to Havelock (Swaraj Dweep) Island. It took 1 hour 45 minutes to reach there, which is 60 km away from Port Blair. My first ship journey was very interesting and out ship was dancing to the tunes of waves in the open sea. It was a small beautiful Island with clear sea water. There we went to Radha Nagar Beach and played in the beautiful sea shore. In the evening we went back to Port Blair in the same ship. On 13.09.2019 morning we went to Anthropological museum in Port Blair. There we saw various items of Andaman's tribals like Onge, Jarawa, Shompen etc. In the evening we started our return journey by flight and reached Chennai at 11pm. At Chennai on 14.09.2019, we visited Express Avenue Mall, Basant Nagar beach and Marina beach. Our return train started at 7.45 pm and we ate our dinner in the train. On 15.09.2019 Sunday morning at around 9 am we reached Changanacherry railway station and then proceeded home. By God's grace our trip was very safe and we enjoyed every moment of our trip.

Kum. Fathima Thahaniy C A, VIth Std
SH School, Changanacherry,
D/o Sri.Ansal Mohammed C H, SDE(EB)



മഹാ മൗനത്തിൽ നിന്ന്
വേർപെട്ട് പതിയെപ്പതിയെ
ഏകാന്തതയുടെ ലഹരിയി-
ലേക്ക് നടന്നടുക്കുകയാണ്.....
ഏകാന്തതയിലേക്ക്
പൂർണ്ണമായും
ലയിച്ചു ചേരും മുൻപേ
നാം നടന്നു തീർത്ത
വഴികളിലൂടെ പ്രണയം
മറന്നു വെച്ചയിടങ്ങളിലൂടെ....
ഒരിക്കൽക്കൂടി ഒന്നു തിരിച്ചു
നടക്കണമെന്നൊരു
മോഹം.....
നാം കൈകൾ കോർത്ത്
നടന്ന പാതയോരത്ത്
പതിവായി
നമ്മെ കാത്തിരിക്കാറുള്ള
പൂക്കളും മരങ്ങളും
ഒരപരിചിതയെപോലെ
എന്നെ നോക്കുകയും പൂക്കൾ
പൊഴിച്ചും ഇലകളുടർത്തിയും
അവ മൗനമായി വിതുമ്പുകയും
ചെയ്യുന്നുണ്ടായിരുന്നു.....
നമ്മൾ പതിവായ് ഇരിക്കാറുള്ള
ബോഗൻവില്ലയുടെ
ചുവട്ടിലെ ചാരു
ബെഞ്ചിന് ചുറ്റും വിടർന്നു
നിൽക്കുന്ന പനിനീർ പൂക്കൾ
എനിക്ക് മാത്രം കേൾക്കാവുന്ന
വിധത്തിൽ പതിഞ്ഞശബ്ദ-
ത്തിൽ പരിഭവം പൊഴിക്കു-
ന്നതും നിന്നെ തിരക്കുന്നതും
എനിക്ക് കേൾക്കാമായിരുന്നു..

നോവുറഞ്ഞ കൺകൾ അലസ-
മായി നോക്കു പായിക്കുമ്പോൾ
ദൂരെ ബദാം മരത്തിന്റെ
ചില്ലുകളിൽ കൂടു കൂട്ടാറുള്ള ഇണ-
പ്രാവുകൾ പറന്നിരിക്കുകയും
അവ അൽപസമയം മരത്തിന്
ചുറ്റും ചിറകടിച്ചു പറന്ന് വിഷാദ-
ത്താൽ എന്നെ നോക്കി
കുറുകുകയും കൊക്കുരുമ്മുകയും
ഒടുവിൽ തൂവൽ പൊഴിച്ച്
ചക്രവാളസീമയിലേക്ക്
പറന്നകലുകയും ചെയ്തു...
അസ്തമയസൂര്യന്റെ ആലിംഗന-
ത്തിൽ ചുവന്നു
തൂടുത്ത സന്ധ്യയെ സിന്ദൂര-
തീലകമണിയിച്ച്
ആഴക്കടലിൽ മുങ്ങിമറയാൻ
വെമ്പുന്ന
സന്ധ്യാസൂര്യന്റെ നിഴൽ മഞ്ഞിൽ
വീണ്ടും എന്നിലേക്ക് തന്നെ
തിരിച്ചു നടന്നു കൊണ്ടിരുന്നു....

(ശ്രീ.അനീഷ് കോലശ്ശേരിൽ
H/o Smt. Dhanya P Babu
JTO, E10B Kottayam

सार्वजनिक स्थानों पर लगे बोर्डों में त्रिभाषिकता

केंद्रीय सरकार की राजभाषा नीति केंद्रीय सरकार के मंत्रालयों, विभागों, संबंध और अधीनस्थ कार्यालयों, सरकारी उपक्रमों, बैंकों तथा अन्य वित्तीय संस्थानों पर लागू होती है। केंद्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किसी आयोग, समिति या अधिकरण का कार्यालय भी केंद्रीय सरकार के कार्यालय की परिभाषा में सम्मिलित है। ऐसी सभी कार्यालयों में लोगों की जानकारी के लिए लगाए जानेवाले बोर्डों में पहले क्षेत्रीय भाषा, फिर हिंदी और फिर अंग्रेज़ी भाषा का प्रयोग किया जाना अनिवार्य है। सभी भाषाओं की लिपियों का अक्षरों का आकार बराबर हो।

कुछ सुविचार

प्रतियोगितावाले इस ज़माने में हर समस्या को सरल तरीके से प्रबंध करके सफलता हासिल करना है। किसी भी क्षेत्र में जुड़े व्यक्ति के लिए समय का सर्वोत्तम प्रबंधन की आवश्यकता है। भली-भाँति समझी गई समस्या आधी सुलझी हुई ही होती है और थोड़ी सी बुद्धिमत्ता से जटिल से जटिल समस्याओं का समाधान आसानी से निकल जाती है। यदि हम सितारों को लक्ष्य बनाते हैं तो कम-से-कम वृक्ष की चोटी तक तो पहुँच ही जाएंगे। अपने मन को स्वयं ऐसे बनाए रखें कि मैं छोटी असफलताओं में निराश न रहूँगे और मेरा लक्ष्य तक किसी भी तरह पहुँचेंगे। जैसे एक कुत्ता जो कुछ ढूँढ़ते हुए चलता है उसे अंत में कोई न कोई हड्डी ज़रूर मिल ही जाती है। कोई भी व्यक्ति अकलमंद पैदा नहीं होता, लेकिन अकलमंद बन जाता है। अध्ययन जीवन की तमाम परिस्थितियों से लड़ने के लिए मानव मन को पकाते हैं। सफल अध्ययन हमें अधिक अच्छे, अधिक बुद्धिमान और अधिक ईमानदार बनाते हैं। अनुभव द्वारा सीखा गया ज्ञान बहुत महंगा पड़ता है। ज्ञान बढ़ने पर ही अज्ञान का पता हमें मिलते हैं। अपना आत्मविश्वास जैसा दूसरा कोई मित्र नहीं है और यही आत्मविश्वास आगे उन्नति में पहली सीढ़ी बनता है। करने का कौशल आपके करने से ही आता है। गलतियाँ करके, उनको स्वीकार करके और सुधार करके ही हमें आगे बढ़ सकते हैं। क्षमा करना अच्छी बात है और भूल जाना उससे भी अच्छी बात है। जिस तरह सोने का हरेक कण कीमती होता है ठीक उसी तरह समय का प्रत्येक क्षण कीमती होता है। कोशिश करनेवाले व्यक्ति के लिए सदैव आशा बनी रहती है। समझदार लोग अपनी जीत से ज़्यादा अपनी हार से सीख लेते हैं।

गीता जी पी

कनिष्ठ हिंदी अनुवादक

कंप्यूटर पर हिंदी की-बोर्ड (यूनिकोड) सक्रिय करना

To enable Hindi key board on computer (Unicode)

Go to **Start > Control Panel > Region & Language options > Click on Keyboards and Languages Tab > Click on Change key boards > Click on Add > Select Hindi > Click on Hindi - Select Key board - Devanagari - INSCRIPT > Click OK**

Start any application.

From the system tray Click on EN .

Select HI (Hindi).

The PC is now ready to start typing in Hindi.

Select keyboard of your choice.

भारत के चर्चित महिलाएं

श्रीमती एनी बेसेंट (1847-1933)

श्रीमती एनी बेसेंट का जन्म 1 अक्टूबर 1847 को, लंदन में हुआ। वे प्रसिद्ध ब्रिटिश समाज सुधारक महिला अधिकारों की समर्थक, थियोसोफिस्ट, लेखक तथा वक्ता होने के साथ भारत की आज़ादी की समर्थक थी। उनका विचार था अच्छाई के मार्ग का निर्धारण बिना अध्यात्म के संभव नहीं। वे 1893 में भारत आई और थियोसोफिकल सोसाइटी के प्रमुख सदस्या के रूप में कार्य करने लगीं। सन् 1917 में वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष भी बनीं। उनके 'इंडिया बौण्ड ऑर फ्री' साहित्यिक और माननीय रुचि का एक निजी दस्तावेज़ है, जो भारतीय इतिहास की एक अपूर्व निधि है, जिस में भारत के भूत, वर्तमान और भविष्य का व्यवस्थित सर्वेक्षण किया गया है। उनकी राय में समाज में सर्वांगीण विकास के लिए नारी अधिकारों को सुरक्षित करना आवश्यक है। उन्हें भारतीयों में आत्मसम्मान व आत्मगौरव की भावना पैदा करने के कारण याद किया जाता है। इन्होंने बनारस में 'केंद्रीय हिंदू विद्यालय' की स्थापना की जिसे बाद में पंडित मदन मोहन मालवीय ने 'बनारस हिंदू विश्वविद्यालय' के रूप में विकसित किया।

उन्होंने स्वेच्छा से भारतीय बनकर हिंदू धर्म एवं संस्कृति के विकास के लिए कार्य करती थी। स्वशासन की माँग को लेकर बालगंगाधर तिलक के साथ 'होमरूल' आन्दोलन भी छेड़ा।



भारत कोकिला सरोजिनी नायडू (1879-1949)

सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फरवरी, 1879 को हैदराबाद में हुआ था। अत्यंत मधुर स्वर में अपनी कविताओं का पाठ करने के कारण सरोजिनी नायडू को **भारत कोकिला** कहा जाता था। 1925 में सरोजिनी जीकानपूर से इंडियन नेशनल कांग्रेस की अध्यक्ष बनने के लिए खड़ी हुईं और जीत कर पहली अध्यक्ष बन गईं। 1928 में उन्होंने गाँधीजी के अहिंसावादी बातों को माना और उसे लोगों तक पहुँचाया। 1930 में सरोजिनी ने गुजरात मुख्य भूमिका निभाई थी।



गाँधीजी को गिरफ्तार करने के बाद उन्होंने यह सत्याग्रह को संभाली और फिर 1942 में गाँधीजी के **भारत छोड़ो आंदोलन** में सक्रिय रूप में भाग लिए और 21 महीनों तक गाँधीजी के साथ जेल में डाला गया। 1947 को आज़ादी के बाद उन्हें गुजरात के गवर्नर बनाया गया जो भारत के पहले महिला गवर्नर हैं। यह पद उनके ही भाषा में "कैद कर लिए जंगल के पक्षी" का अनुभव दिए। उनको स्थान-सम्मान पर इच्छा नहीं थी। आज़ादी की लड़ाई में हम योगदान देनेवाली कुछ महिलाओं में खास थी भारत कोकिला सरोजिनी नायडू। 2 मार्च 1949 को ऑफिस में काम करते हुए वह हार्टअटैक से चल बसी। सरोजिनी जी भारत देश की सभी औरतों के लिए आदर्श का प्रतीक हैं, जिनसे हमें प्रेरणा मिलती है।

हिंदी पखवाडा समारोह 2021 का उद्घाटन दीप जलाते हुए माननीय महाप्रबंधक श्री जी एन होवाल



हिंदी पखवाडा 2021 का समापन समारोह की झलकें



विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण





हिंदी पखवाडा समारोह 2021 के सिलसिले में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेता

क्रम सं	प्रतियोगिता	नाम, पदनाम श्रीमती /श्री	कार्यालय पता	पुरस्कार
1.	निबंध लेखन	सुमंत यादव, कनिष्ठ इंजीनियर	एसटीआर, पाला	प्रथम
		बिंदु एस, उपमहाप्रबंधक(नेटवर्क योजना)	महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय	द्वितीय
		गीता के एस, कार्यालय अधीक्षक	महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय	तृतीय
		जयश्री सी जी, उपमंडल इंजीनियर	महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय	तृतीय
2.	टिप्पण और अनुवाद	गीतु एन, कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी	महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय	प्रथम
		शोभा एस वी, उपमंडल इंजीनियर	एसटीआर, कोट्टयम	द्वितीय
		श्रीजित सी वी, उपमंडल इंजीनियर	महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय	तृतीय
		बिजु जोसफ पौवत्त, उपमंडल इंजीनियर	बीएसएस, कोट्टयम	तृतीय
		सुमंत यादव, कनिष्ठ इंजीनियर	एसटीआर, पाला	तृतीय
		ज़रीना बीगम आर, लेखा अधिकारी	महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय	तृतीय
		जोबी टी एस	महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय	तृतीय
3	हिंदी गीत(पुरुष)	बिजु जोसफ पौवत्त, उपमंडल इंजीनियर	बीएसएस, कोट्टयम	प्रथम
		हरिकुमार ई आर, उपमंडल इंजीनियर	एसटीआर, कोट्टयम	प्रथम
		मोबी मात्यु पणिककर, उपमंडल इंजीनियर	गाँधिनगर	द्वितीय
		प्रभुकुमार पी बी, कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी	टेलीफोन एक्सचेंज, एट्टुमानूर	तृतीय
		आल्फा जोण डिक्रूज़, कनिष्ठ इंजीनियर	करुकच्चाल	आश्वासन
4	हिंदी गीत(महिला)	सुमा सी आर, सहायक कार्यालय अधीक्षक	टेलीफोन एक्सचेंज, एट्टुमानूर	प्रथम
		रजीना जोस, उपमंडल इंजीनियर	महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय	द्वितीय
		ज़रीना बीगम आर, लेखा अधिकारी	महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय	द्वितीय
		बिंदु एस, उप महाप्रबंधक(नेटवर्क योजना)	महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय	तृतीय
		गीतु एन, कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी	महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय	तृतीय

5	हिंदी कवितापाठ (पुरुष)	प्रभुकुमार पी बी, कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी	टेलीफोन एक्सचेंज, एट्टुमानूर	प्रथम
		मोबी मात्यु पणिक्कर, उपमंडल इंजीनियर	गाँधीनगर	द्वितीय
		बिजु जोसफ पौवत्त, उपमंडल इंजीनियर	बीएसएस, कोट्टयम	द्वितीय
		सुमंत यादव, कनिष्ठ इंजीनियर	एसटीआर, पाला	तृतीय
6	हिंदी कवितापाठ (महिला)	नीता तोमस, उपमंडल इंजीनियर	महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय	प्रथम
		अनिता के, उपमहाप्रबंधक(वित्त)	महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय	द्वितीय
		ज़रीना बीगम आर, लेखा अधिकारी	महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय	द्वितीय
		एलिसबत जूली जोर्ज, सहायक महाप्रबंधक (परिचालन योजना)	महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय	तृतीय
		रजीना जोस, उपमंडल इंजीनियर	महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय	तृतीय

हिंदी पखवाडा 2021 : कोविड महामारी के परिप्रेक्ष्य में परिमंडल कार्यालय से प्राप्त अनुदेश के अनुसार कोट्टयम बीए में 14.09.2021 से 28.09.2021 तक ऑनलाइन द्वारा आयोजित विविध प्रतियोगिताओं के साथ मनाया गया। माननीय महाप्रबंधक श्री.जी.एन.होवाल, आईटीएस द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन में जागरूकता देने हेतु अधिनियम, नियम, विविध राजभाषा समितियाँ, कार्यालयीन टिप्पणियाँ, सामान्य हिंदी, पत्रों के नमूने, हिंदी साहित्यकारों का परिचय आदि के साथ 'डिजिटल अक्षर साथी' का नया संस्करण लॉन में एक लिंक द्वारा अपलोड किए। निबंध लेखन, टिप्पण और अनुवाद, कविता पाठ, हिंदी गीत आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। लॉन द्वारा मैच और विन प्रतियोगिता भी चलाई गई। समापन समारोह में हर साल की तरह कोट्टयम बीए की गृह पत्रिका डिजिटल रश्मि का तृतीय अंक भी प्रकाशित की गई। 28.09.2021 को संपन्न समापन समारोह में प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किया। पखवाडे के दौरान आयोजित हिंदी कार्यशाला द्वारा राजभाषा नियमों के अनुपालन के बारे में भागीदारों को अवगत कराया। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को ई-फाइलों में भी हिंदी टिप्पण का प्रयोग करने के लिए निदेश दिया। कार्यशाला में बोलचाल हिंदी तथा फाइलों में हिंदी का उपयोग बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिए।

अपने दैनिक कामकाज में कुछ न कुछ हिंदी में कीजिए।'

നിന്റെ ബാല്യം എന്തേയും

കളിവള്ളമുണ്ടാക്കണം, മണ്ണ് വാരിക്കളിക്കണം
കുട്ടുകാരോടൊത്തുകൂടി നടന്നിട്ടിടക്കിടെ ചിണ്ടുണ്ടണം
പൂവും കിളിപ്പൂവും കൂട്ടായി വരണം
അണ്ണാക്കണ്ണന്റെ കൂടെ നീ ചൊല്ലണം
ചിൽ ചിൽ പാഠങ്ങളെക്കെ നീ ചൊല്ലണം
ചിന്തിലൊത്തിരി പൂക്കൾ വിരിയണം
വിസ്തൃതലോകത്തിടക്കിടെ ചെന്നിട്ട്
അക്കമൊക്കെ പറയണമിപ്പൊഴും
തൊടിയിലെ പൂവുകൾ നൂളിയെടുത്തിട്ട്
കൊച്ചരിപ്പല്ലുകൾ കാട്ടിച്ചിരിക്കണം
തിരുനാമങ്ങൾ തിരയണമീ സന്ധ്യയിലെണ്ണം
മണ്ണിന്റെ നിറമുള്ള മനുജനായിടുക
സൽകർമ്മങ്ങൾ ചെയ്യാനീശനും കനിഞ്ഞു
ബാല്യമെന്നത് ശരവഗമാണെപ്പൊഴും
അറിയണമതിൻ മാധുര്യം സോദരരേ
ജീവിതമെന്നത് ഇന്ന് തന്നെ
ജീവിച്ചിടുക ഇന്ന് തന്നെ
ഉണ്ണിതൻ ബാല്യമന്ത് എന്റെ തന്നെ
കൊതിയോടെ കളിരസിക്കട്ടെ ഞങ്ങൾ



Sri.Bobby V B
H/o Smt. Shiji Chandran
JTO, Gandhinagar



हिंदी साहित्य गगन के सितारे - महान कवि हरिवंश राय बच्चन

हरिवंशराय बच्चन का जन्म इलाहाबाद में हुआ था। इनके पिता प्रताप नारायण श्रीवास्तव और माता सरस्वती देवी थी। उन्होंने कायस्थ (ब्राह्मण) पाठशाला में उर्दू और हिंदी की शिक्षा प्राप्त की और फिर इलाहाबाद विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में एम ए और केंब्रिज विश्वविद्यालय से पीएचडी पूरी की थी। उसके बाद वे भारत सरकार के विदेश मंत्रालय में हिंदी विशेषाधिकारी के पद पर बारह वर्ष तक काम किया। राज्य सभा में छह वर्ष के लिए मनोनीत सदस्य रहे। भारतीय फिल्म उद्योग के प्रख्यात अभिनेता अमिताभ बच्चन उनके सुपुत्र हैं।

हालावात समाट कवि बच्चन जी का उदय साहित्य क्षेत्र में उस समय हुआ जब छायावाद काल अवसान तथा प्रगतिवाद का उदय हो रहा था। इन स्थितियों के मध्य बच्चन जिस स्वच्छन्दतावादी प्रवृत्ति को लेकर काव्य में आए-यही कवि बच्चन की विशिष्टता एवं उनके कवि के रूप में प्रसिद्धि का कारण बनी। बच्चन के गों में एक ओर प्रेम, यौवन, प्रणय, संघर्ष, अवसाद जैसी भावनाएं हैं तो दूसरी ओर सामाजिक विषमताओं के परिवेश में आत्म-संघर्ष करते हुए आगे बढ़ते रहने का महत् संदेश भी निहित है। बच्चन के गीत जीवन के यथार्थ, सुख-दुख मिश्रित गीत हैं, जिसमें न तो जग की कटु उपेक्षा है और न ही अवसादपूर्ण जीवन से पलायन है।

मधुशाला, मधुबाला, निशा नमंत्रण, एकान्त संगीत, सतरंगिणी, मिलन यामिनी, त्रिभंगिमा, खादी के फूल, जाल समेटा, दो चट्टानें आदि उनके प्रसिद्ध कविताएं हैं। जीवन और यौवन, सौंदर्य और प्रेम के कवि के रूप में बच्चन जी अपनी रचनाओं से ख्याति के उच्च शिखर पर पहुँचे।

बच्चन जी की 26 काव्य-कृतियाँ प्रकाशित हो चुकी हैं। काव्यानुवाद का भी बच्चन जी पर्याप्त काम किया है। बच्चन जी को उनकी काव्य-कृतियों पर नेक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। 'दो चट्टानें' पुस्तक पर साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला। 'चौसठ रूसी कविताएं' कविता संकलन पर सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार तथा एफ्रो एशियाई सम्मेलन के कमल पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। बिडला फाउण्डेशन ने उनकी आत्मकथा के लिए उन्हें सरस्वती सम्मान दिया था। बच्चन को भारत सरकार द्वारा 1976 को पद्मभूषण और हिंदी साहित्य सम्मेलन से साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में साहित्यवाचस्पति समिति की मानद उपाधि प्राप्त हुई। 2002 से उनका स्वस्थ बिगड़ने लगा। उनकी मृत्यु 18 जनवरी 2003 में सांस की बीमारी के वजह से मुंबई में हो गयी।



ध्वजारोहन करते हुए माननीय महाप्रबंधक श्री.जी.एन.होवाल



गणतंत्र दिवस समारोह 2022

अंग्रेज़ी हुकूमत से आज़ादी मिलने के बाद 26 जनवरी 1950 को 10 बजकर 18 मिनट पर हमारे देश का संविधान बना था जिसमें नागरिकों के लिए मौलिक अधिकार बनाए गए थे। साथ ही देश को चलाने हेतु अन्य नियम कानून बनाए गए थे। एक स्वतंत्र गणतंत्र राज्य बनने और देश में कानून का राज स्थापित करने के लिए 26 जनवरी की तिथि को इसलिए चुना गया था क्योंकि 1930 में इसी दिन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भारत को पूर्ण स्वराज घोषित किया था। वर्ष 2022 में हम अपना 73वां गणतंत्र दिवस मनाए।



स्वतंत्रता दिन समारोह- श्रीमती लता.एस, उपमहाप्रबंधक ध्वजारोहन करते हुए

तिरंगा प्यारा

माता-पिता परमेश्वर समान
साथ-साथ भारत माँ भी
तीनों ओर सागर की लहरों से
विसलित प्यारा देश हमारा।

हर पल हर दिन अंतरंग में
आते गगन में उडती तिरंगा
मन में साहस शान्ति सत्य
सद्भावनाओं का दीप जलाते

सुशोभित केसरिया, सफेद, हरे रंगों से
मध्य में नीले अशोक चक्र भी
शक्ति, साहस केसरिया जगाते
शांति, सत्य का प्रतीक सफेद

हरे रंग तो उर्वरता, वृद्धि
विराजित अशोक चक्र सफेद में
याद दिलाते गतिशील जीवन का
सिर न झुकें मृत्यु पर भी।

गगन में उडते पंछी जैसे
समन्दर की लहरों जैसे
सदैव भारत माता के हाथ में
उछल रहे ये प्यारा तिरंगा।

गीता जी पी
हिंदी अनुवादक
कोट्टयम बीए

മാനിഷാദാ

അഴകായ്, ആനന്ദമായ് അവർ കിളികൾ
കൂട്ടമായ് കൂടണയും നേരം
ചുണ്ടോടു ചേർത്തൊളിച്ചു വെച്ചൊരു സ്വാദേറും പഴങ്ങളും
നൂരയും സ്നേഹത്തിലാറാടും മാതൃഹൃദയങ്ങൾ
വേഗതയേറും ചിറകുകടികൾ, സന്ധ്യ മയങ്ങി
കിടാങ്ങൾ ഭയന്നരുളും കൂട്ടിലേയ്ക്ക്
ഉള്ളിലേറും സ്നേഹവും, മാതൃത്വത്തിൻ മധുരവും
കൂടണഞ്ഞ നേരം കണ്ടതില്ല കൂടും കിടാങ്ങളും
കരുതലോടെ കാത്ത മുത്തശ്ശി മരവും
കരഞ്ഞലഞ്ഞു തിരഞ്ഞു
അലറി വിളിച്ചും, നിലവിളിച്ചും
പറക്കമുറ്റ കിടാങ്ങളെ
പകർത്തി മാനുജർ വീഡ്ഡി പെട്ടിയിലേക്ക്
മനോഹരം ഈ കാഴ്ച, അതിമനോഹരം
ഹൃദയം തകർന്ന കിളികൾ കണ്ടു,
എരിഞ്ഞടങ്ങും കൂഞ്ഞുകിടാങ്ങളെ
ചലനമറ്റ് വിതുമ്പും മരമുത്തശ്ശിയെ
മാനിഷാദാ.....
അലറിക്കരഞ്ഞു അമ്മക്കിളികൾ
കണ്ണീരണിഞ്ഞു വിതുമ്പി
'ഞങ്ങളും ഭൂമിയുടെ അവകാശികൾ'



ശ്രീമതി. പാർവതി.എസ്.കുമാർ
D/o Sri.M.P.Sreekumar
O/o GMT, Kottayam

മരങ്ങൾ മുറിക്കുമ്പോൾ മലകൾ ഇടിച്ച് നിരപ്പാക്കുമ്പോൾ
നമ്മെപ്പോലെ ഭൂമിക്ക് തുല്യ അവകാശികൾ ഈ ഭൂമിയിൽ ഉണ്ട്
എന്നൊരു ഓർമ്മപ്പെടുത്തൽ..... ഒരു മലപ്പുറം വാർത്ത....
മിണ്ടാപ്രാണികളോട് കണ്ണില്ലാത്ത ക്രൂരത. നൂറോളം പക്ഷികൾ പിടഞ്ഞു
ചത്തു. ഒന്നു കുലുക്കിയിരുന്നെങ്കിൽ.....

टेलीफोन सलाहकार समिति की बैठक



कोर्टियम बी ए के सलाहकार समिति की बैठक 14.06.2022 के 3 बजे महाप्रबंधक दूरसंचार के कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में संपन्न हुई। श्री तोमस चाषिकाडन, सांसद तथा समिति के अन्य सदस्य भाग लिए। महाप्रबंधक श्री जी.एन.होवाल और वरिष्ठ अधिकारीगण बैठक में उपस्थित रहे।

कुछ शब्दों पर आधारित महत्वपूर्ण मुहावरे

- अकल की दाढ़ निकलना - समझ आना
- आँखों का काँटा होना - शत्रु होना
- अपने पैरों कुल्हाड़ी मारना - अपनी हानि स्वयं करना
- आसमान में तारे गिनना - असंभव कार्य को करने का प्रयत्न करना
- उल्लू बनाना - बेवकूफ बनाना
- कदम उठाना - आरंभ करना
- कटी पतंग होना - एक निश्चित स्थान न होना
- काला पीनी - जीवन कारावास
- बाल खड़े हो जाना - अत्यधिक भयभीत होना
- कान पकड़ना - किसी काम को दुबारा न करने की प्रतिज्ञा करना
- काम होना - मनोरथ पूरा होना

25.08.2022 को संपन्न नराकास की बैठक - श्री.के.एन.राघवन, आईआरएस, कार्यकारी निदेशक,
रबड बोर्ड की अध्यक्षता में





कोट्टयम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति का संयुक्त हिंदी पखवाडा समापन समारोह 2022



समारोह में हिंदी गीत के विजेता हमारे कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी श्री प्रभुकुमार पी बी



**नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिताओं
में हमारे बीए के विजेता- हार्दिक बधाइयाँ**

श्री.प्रभुकुमार पी बी

कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी, एड्डमानूर
हिंदी गीत- पहला पुरस्कार
हिंदी कवितालापन – द्वितीय पुरस्कार



श्रीमती नीता तोमस

उपमंडल इंजीनियर (योजना),
मप्रदू का, कोट्टयम
हिंदी कवितालापन – पहला पुरस्कार

श्रीमती गीता.के.एस

कार्यालय अधीक्षक
म प्र दू का, कोट्टयम
स्मरण परीक्षा - द्वितीय पुरस्कार



श्रीमती सुमा सी आर

सहायक कार्यालय अधीक्षक
ग्राहक सेवा केंद्र एड्डमानूर
हिंदी गीत- विशेष पुरस्कार

अपने आप पर यकीन रखे

“कभी-कभी ना

वादा बहुत हार जाता है।

अंदर से बाहर से दिखता है हंसता खेलता इंसान

अंदर से होता है अकेला खाली इंसान

तब ना कभी-कभी मन करता है कि

हार जाए और छोड़ दे सबकुछ

उसी वक्त खयाल आता है कि मार

हारने के लिए तो ये सब

शुरु नहीं किया था ।”

तब तक कान करें जब तक आप जो बनने का सपना देखते हैं।

वह आपका जीवन बन जाता । कभी आशा मत छोड़ो।

छोटी चीज़ों की आनंद लें।

मदद मांगना कभी कमज़ोरी की निशानी नहीं है।

यह सबसे बहादूर चीज़ों में से एक है जो पाकर सकते हैं।

और यह आपकी जान बचा सकता है और आपको बेहतर महसूस कराएँ।

मेहनत और समर्पण हमेशा रंग लाती है।

इस दुनिया में सफल लोग भी कम से कम एक बार गिरे हैं।

कभी-कभी हम अपने आप में निराश हो जाते हैं लेकिन

इसका मतलब यह नहीं है कि हमें जीवन में छोड़ देना चाहिए।

ज़िदगी को मिले वो सारे मोड़।

सफलता अंतिम नहीं है।

विफलता घातक नहीं है।

यह ज़ारी रखने का साहस है जो मायने रखता है।

कुमारी.ऐश्वर्या राजन
सुपुत्री श्रीमती श्यालिनी.टी.के
सहायक महाप्रबंधक (प यो)



“राजभाषा और जनभाषा इन दोनों में बहुत अंतर है। जनभाषा मनुष्य अपनी माँ के दूध के साथ प्राप्त करता है और राजभाषा विशेषज्ञों द्वारा, राज आज्ञा से अलग-अलग विषयों के अनुसार गढ़ी जाती है। जनभाषा सहज-सरल और अर्थगर्भित होती है। राजभाषा अर्थगर्भित तो होती है, पर कृत्रिम होने के कारण क्लिष्ट होती है। “



**Colouring Kum.Hridya Vinay, LKG
D/o Smt Geethu.N,JTO(NWO),
O/o GMT, Kottayam**



**Water colouring- Kum.Karthika Shaju, Std.VIth
D/o Sri.Shaju C.S, SDE, Changanacherry**



**Master.Vaisakh.V R, VIth Class, SFS, Ettumanoor S/o Vijayakumar.K.K, SDE(Vig) and
Smt.Resmi .G.L, SDE(MM),O/o GMT Kottayam**

2022 अप्रैल महीने में सेवानिवृत्त कर्मचारीगण



श्री.बाबु.ए.के, दूरसंचार तकनीशियन, टेलीफोन एक्सचेंज, कोट्टयम; श्री.जोसफ मानुवल, दूरसंचार तकनीशियन, आतिरमपुषा; श्री.चन्द्रशेखरन नायर, दूरसंचार तकनीशियन, वैक्कम ; श्री.जयमोन.एम.जे, दूरसंचार तकनीशियन, वेलूर; श्रीमती.सुशीला.के, सहायक दूरसंचार तकनीशियन, महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय, कोट्टयम

2022 मई महीने में सेवानिवृत्त कर्मचारी



श्रीमती.पोन्नम्मा.एम.टी, दूरसंचार तकनीशियन, ग्राहक सेवा केंद्र, चंगनाशेरी

2022 जुलाई महीने में सेवानिवृत्त कर्मचारीगण



1. श्री बाजी वी एच, दूरसंचार तकनीशियन, टेलीफोन एक्सचेंज, पोनकुन्नम
2. श्री साबु पी आर, दूरसंचार तकनीशियन, टेलीफोन एक्सचेंज, पनच्चिक्काड
3. श्री सनलकुमारन नायर एम के, कार्यालय अधीक्षक, ग्राहक सेवा केंद्र, पाला & श्री.जी.एन.होवाल, महाप्रबंधक दूरसंचार और अन्य अधिकारीगण

ओणम - केरल का त्योहार



मनोरंजन क्लब द्वारा आयोजित ओणम 2022- प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थानों के पूककलम



पूककलम और विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण



ഒരുമയുടെ ഓണം

ലോകമെമ്പാടുമുള്ള മലയാളികൾ വളരെ ആഹ്ലാദത്തോടെയാണ് ഓണം 2022 - നെ വരവേറ്റത്. ജാതി മത വ്യത്യാസങ്ങളില്ലാതെ എല്ലാ മലയാളികളും ലോകത്തെവിടെയായാലും ആഘോഷിക്കുന്ന നമ്മുടെ ദേശീയ ഉത്സവമാണല്ലോ ഓണം. കൊറോണ സൃഷ്ടിച്ച ആശങ്കകൾ അകന്നു നിന്നതായിരുന്നു ഇത്തവണത്തെ ഓണം. കോട്ടയം ബി.എസ്.എൻ.എൽ റിക്രിയേഷൻ ക്ലബ്ബിന് ആഭിമുഖ്യത്തിൽ 06.09.2022-ന് ഓണാഘോഷം നടത്തി. ജോലിത്തിരക്കുകൾക്കിടയിലും ഒത്തൊരുമയോടെ എല്ലാവരും ചേർന്നു നിർമ്മിച്ച പൂക്കളങ്ങൾക്ക് ചാരുതയേറി. ബഹുമാന്യനായ കോട്ടയം ജില്ലാ ജനറൽ മാനേജർ ശ്രീ.ജി.എൻ.ഹോവാൾ ഓണാശംസകൾ നേർന്നു. ജീവനക്കാരുടെ ഓണപ്പാട്ടും മത്സരങ്ങളും വിഭവസമൃദ്ധമായ ഓണസദ്യയും ഓണാഘോഷത്തിന് മാറ്റുകൂട്ടി.





വിദ്യാരംഭം



പുത്തനുടുപ്പിട്ടു കിന്നരിബാഗുമായ്
ഉത്സാഹത്തോടെ പടിയിറങ്ങി
ചെന്നു കയറിയാ സ്കൂളുകണത്തിലെ
ഉത്സവഘോഷ നിറപ്പകിട്ടിൽ
അമ്പരന്നെങ്കിലും ആമോദത്തോടെയാ
ഉത്സവകാഴ്ചകൾ കണ്ടു നിന്നു
നാലുപാടും നിന്നുയർന്ന നിലവിളി
കോലാഹലങ്ങളും കണ്ടു നിന്നു
കണ്ണുനീറഞ്ഞില്ല, വിങ്ങിക്കരഞ്ഞില്ല
പൊന്നോമന, അമ്മയ്ക്കാശ്വാസമായ്
പിറ്റേന്നു രാവിലെ ഉല്ലാസത്തേരേറി
പൂത്തുമ്പി പോലവൾ സ്കൂളിലെത്തി
പാട്ടില്ല കളിയില്ല പൂക്കളില്ല
ഉത്സവകാഴ്ചകൾ ഒന്നുമില്ല
വിങ്ങിപ്പോയ് മാനസം പൊട്ടിക്കരഞ്ഞുകൊ-
ണ്ടമ്മതൻ നെഞ്ചകം ചേർന്നുതേങ്ങി
ക്ലാസിലെ കൂട്ടക്കരാച്ചിലിൽ പൊന്നുണ്ണി-
ക്കുഞ്ഞിൻ കരാച്ചിലും ചേർന്നിരമ്പി
സ്കൂളിലേക്കില്ല ഞാൻ എന്നുള്ള രോദനം
എല്ലാദിനവും ഉണർത്തുപാട്ടായ്
നാളുകൾ നിങ്ങവേ കർക്കിടകം പോയി
ചിങ്ങമിങ്ങെത്തി പൂവിളിയുമായി
തിരുവോണ ആഘോഷപ്പൂത്തിരി കത്തിക്കാൻ
നൃത്തച്ചുവടുമായ് ടീച്ചറെത്തി
വിട്ടിലിരിക്കേണ്ട നൃത്തം പഠിക്കേണം
സ്കൂളിലേക്കെന്നെന്നും പോണമെന്നായ്
പത്ത് ഒഴിവുദിനങ്ങൾക്കുശേഷമാ-
വിദ്യാലയത്തിൻ പടിക്കൽ നിന്ന്
വിങ്ങിക്കരയുന്ന കുഞ്ഞിൻ കവിളിലെ
കണ്ണുനീർചാലുകൾ മായ്ച്ചിടവേ
അമ്മതൻ ഉള്ളും മൊഴിഞ്ഞു നിനക്കിതു
ജീവിതയാത്രയിൽ ബാലപാഠം
വിദ്യയാം ചെങ്കോൽ കരഗതമായാലേ
ജീവിതവേദിയിൽ ജേതാവாகൂ.

ഗീതു.എൻ
JTO(NWO)
O/o GMT, BSNL, Kottayam

यूँ ही बैठे बैठे

आज बहुत वक्त के बाद
यूँ ही बैठे बैठे
यादों की गहराई से उभरकर
तुमने एक दस्तक दी है
और अचानक, एक आंधी की तरह
वो सब पल सामने आ गए
जो हमने साथ बिताये थे
होंठों पर मुस्कराहट और आँखों में नमी
कुछ पल के लिए ही सही
ऐसा लगा वक्त पीछे चला गया
वो बेफिक्री के दिन, दिलचस्प बातें
आसमानों को छूने के सपने
और वो जोश और उमंग
एक खूबसूरत फिल्म की तरह
जो दिल को छु ले
ज़िन्दगी की दौड़ में कब ये सब छूट गया
और कब तुम दूर हो गए पता भी नहीं चला
आज एक गूगल सर्च के दूसरे छोर
पर शायद तुम खड़े हो
और उम्मीद यही है की जब भी हम मिले
हमारी दोस्ती में वही मिठास हो जो यादों में है



नीता तोमस
उपमंडल इंजीनियर
महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय

പഠിേ കൂഴ ശബ്ദ.....ബോലചാല മേ പ്രയോഗ കീജിേ

<p> അങ്ക - അക്കം, സംഖ്യ, മാർക്കു് അംഗ - അവയവം, ഭാഗം അംഗുതീ - മോതിരം അംഗുര - മൃന്നമിങ്ങ അംഗ - മൃഗ അന്ത - അവസാനം അന്തര - വ്യത്യാസം അന്ദര - ഉള്ളിൽ അന്ധാ - അന്ധൻ അന്ധേര - ഇരുട്ട് അപ്സര - സാധാരണയായി അപേക്ഷ - ഒറ്റക്ക് അകൂഢ - ഒക്ടോബർ അകല - ബുദ്ധി അകലനേദ - ബുദ്ധിയുള്ള അഖബാ - വർത്തമാനപ്പത്രം അഗര - എങ്കിൽ അഗതി - അടുത്ത അപ്ത - അത്ഭുതം അപരജ - ആശ്ചര്യം അപാനക - പെട്ടെന്ന് അവജ - നല്ല അജായബ-ഘര - മ്യൂസിയം അടല - ഇളകാത്ത അടൂട - പൊട്ടാത്ത അതിരീകൃത - കൂടാതെ അത്യാചാര - അക്രമം അദാ കരണ - പണമടയ്ക്കുക അധീര - അക്ഷമനായ അധൂര - അപൂർണ്ണമായ അനഗിനത - അസംഖ്യം അനജാ - അറിവില്ലാത്ത അനപഥ - പഠിക്കാത്ത </p>	<p> അനുഭവ - പരിചയം, അനുരോധ - അപേക്ഷ അനുശാസന - അച്ചടക്കം അനുസാര - അനുസരിച്ച് അനോഖ - വിചിത്രമായ അപന - തന്റെ അപനാന - സ്വന്തമാക്കുക അപേല - ഏല്പിൽ അബ - ഇപ്പോൾ അമാഗ - നിർഭാഗ്യവാനായ അമിപായ - ഉദ്ദേശം, സാരം അമിതാധ - അഭിലാഷം അമീ - ഇപ്പോൾത്തന്നെ അമിട - നശിക്കാത്ത അമീര - പണക്കാരനായ അമുക - ഇന്ന ഇത്ര അർത് - അതായത് അലഗ - വേറെ അലാഖ - കൂടാതെ അവനാശ - അവധി അവസര - അവസരം അശുഭ - തെറ്റായ, ശുദ്ധമായ അസംഭവ - അസാദ്ധ്യമായ അസംഭവ - സംസ്കാരശൂന്യമായ അസര സ്വാധീനം ഫലം, പ്രഭാവം അസല - വാസ്തവമായ, അസഹയോഗ - നിസ്സഹകരണം അസ്പതാല - ആശുപത്രി അഖ - കണ്ണ് </p>	<p> അന്ദോലന - പ്രസ്ഥാനം അന്ധി - കൊടുങ്കാറ്റ് അന്സ - കണ്ണുനീർ അന്ദ - കണ്ണാടി അഖിര - ഒടുവിൽ അഗ - മൃതിൽ അജ - ഇന്ന് അജകല - ഞായറിയെടയായി അജാദ - സ്വാതന്ത്ര്യമായ അജാദി - സ്വാതന്ത്ര്യം അജ - മറവ് അദമീ - മനുഷ്യൻ അദര - ബഹുമാനം അദി - ആരംഭം മുതലായവ അദി - പരിചയിച്ച അധ - പകുതി അന - വരുക അപടി - പരസ്പരം അവദി - ഭരണസംഖ്യ അമ - സാധാരണ, മാങ്ങ അരാര - വിശ്രമം അലടി - മടിയുള്ള, അലസൻ അവര്യകത - ആവശ്യം അസപാ - അടുത്തുള്ള അസാ - എളുപ്പമായ ഇന്തജാമ - ഏല്പാട് ഇന്തജാ - പ്രതീക്ഷ </p>
--	---	---

इकट्ठ - ശേഖരിക്കപ്പെട്ട

इज्जत - ബഹുമാനം

इतना - ഇത്ര

इधर - ഇവിടെ

इनकार - തിരസ്കരിക്കൽ

इमली - പൂളി

इरादा - തീരുമാനം

इस्तेमाल - ഉപയോഗം

ईंट - ഇഷ്ടിക

ईमानदार - വിശ്വസ്തനായ

ईर्ष्या - അസൂയ

ऊंगली - വിരൽ

उछलना - ചാടുക, തുള്ളുക

उजडना - നശിക്കുക

उडना - പറക്കുക

उतना - അത്ര

उतरना - ഇറങ്ങുക

उधर - അവിടെ

उपज - DĀ]Jw

उपजाऊ - ഫലപുഷ്ടിയുള്ള

उम्मीद - പ്രതീക്ഷ

उम्र - വയസ്സ്

उलटा - വിപരീത

उल्लू - മൂങ്ങ

ऊँचा - ഉയരമുള്ള

ऊँट - ഒട്ടകം

ऊन - രോമം

ऊपर - മുകളിൽ

ऋण - കടം

एकाएक - പെട്ടെന്ന്

एतराज - എതിർ,

ऐनक - കണ്ണട

ऐसा - ഇങ്ങിനെയുള്ള

कंकड - കല്ല, ചരൽ

कंघ - ചീപ്പ്

कंजूस - പിശുക്കനായ

कंधा - ചുമൽ

कई - അനേകം

कक्षा - ക്ലാസ്സ്

कच्चा - പാകമാവാത്ത,
വേവിക്കാത്ത

कटहल - ചക്ക

कठिन - ബുദ്ധിമുട്ടുള്ള

कठिनाई - ബുദ്ധിമുട്ട്

कद - ഉയരം

कदम - കാലടി

कब - എപ്പോൾ

कभी - ചിലപ്പോൾ,
എപ്പോഴെങ്കിലും

कम - കുറവായ

कमज़ोर - ദുർബ്ബലമായ

कमरा - മുറി

कमाना - സമ്പാദിക്കുക

कमी - കുറവ്

करना - ചെയ്യുക

करीब - ഏകദേശം

कर्ज - കടം

कर्मचारी - ഉദ്യോഗസ്ഥൻ,
ജോലിക്കാരൻ

कल - നാളെ, ഇന്നലെ, യന്ത്രം

कलम - പേന

कल्याण - ക്ഷേമം, നന്മ

कसरत - വ്യായാമം

कहना - പറയുക

कहानी - കഥ

कहीं - എവിടെയെങ്കിലും

काँटा - മുളുള്

कानून - നിയമം

काफी - ധാരാളം

काम - ജോലി

कायर - ഭീരുവായ

कारखाना - വ്യവസായശാല,

कारीगर - ശില്പി

कार्यक्रम - പരിപാടി

कार्यालय - ഓഫീസ്

काला - കറുത്ത

किंतु - എന്നാൽ

कितना - എത്ര

किताब - പുസ്തകം

किधर - എവിടെ

किनारा - തീരം

किराया - വാടക

किला - കോട്ട

किसान - കൃഷിക്കാരൻ

कीडा . കീടം, പൂഴു

कीमत - വില

कुआँ - കിണർ

कुछ - കുറച്ച്

कुली - കൂലിക്കാരൻ

कुशल - സാമർത്ഥ്യമുള്ള

कूदना-ചാടുക

केला- വാഴക്കായ്

कैदी- തടവുകാരൻ

कैसा- എങ്ങനെയുള്ള

कोई- ആരെങ്കിലും

कोना- കോൺ, മൂല

कोयल-കുയിൽ

कोयला-കൽക്കരി

कोशिश-പരിശ്രമം

कोष्ठक- (ബ്രാക്കറ്റ്

क्योंकि-എന്തുകൊണ്ടെന്നാൽ
 क्रांति-വിപ്ലവം
 क्रिस्मस-ക്രിസ്തുമസ്സ്
 क्षेत्र-വയൽ, സ്ഥാനം, പ്രദേശം
 खंभा-സ്തംഭം, കോളം
 खजाना-ഖജനാവ്
 खजूर-ഈന്തപ്പഴം, ഈന്തപ്പന
 खटमल-മുട്ട
 खट्टा - പുളിയുള്ള
 खडा होना-നീൽക്കുക
 खडिय-ചോക്ക്
 खत-എഴുത്ത്
 खतरनाक-അപായകരമായ
 खतरा-അപകടം
 खबर-വാർത്ത, വിവരം
 खबरदार-(ശ്രദ്ധയുള്ള,
 കരുതലുള്ള)
 खयाल-വിചാരം, അഭിപ്രായം
 खराब-ചീത്തയായ
 खरीदना-വാങ്ങുക
 खर्च-ചെലവ്
 खलबली-ബഹളം
 खाडी-ഉൾക്കടൽ
 खाद- വളം
 खाना-തിന്നുക
 खाली-ഒഴിഞ്ഞ, കാലിയായ
 खास-വിശേഷപ്പെട്ട,
 കാലിയായ
 खिचना-വലിയുക
 खिडकी-ജനൽ
 खिलना-വിടരുക
 खिलाफ-വിരുദ്ധ

खुद- തന്നത്താൻ
 खुराक-ആഹാരം, ഭക്ഷണം,
 ഡോസ്
 खुलना- തുറക്കപ്പെടുക
 खुला- തുറന്ന, തുറസ്സായ
 खुश- സന്തോഷമുള്ള
 खुशब्-സുഗന്ധം
 खुशी-സന്തോഷം
 खूखार-ഭയങ്കരമായ
 खून-രക്തം
 खूब-നല്ലവണ്ണം
 खूबसूरत-സുന്ദരമായ
 खेत-വയൽ
 खेती-കൃഷി
 खेल-കളി
 खेलना- കളിക്കുക
 खोज- അന്വേഷണം
 खोजना-അന്വേഷിക്കുക
 खोदना-കുഴിക്കുക
 खोना-നഷ്ടപ്പെടുക
 गंदा- അഴുക്കുള്ള
 गंभीर- Kuരവമായ
 गठरी- കെട്ട്
 गणतंत्र- റിപ്പബ്ലിക്
 गद्दी- സിംഹാസനം
 गंधा-കുഴുത
 गन्ना-കരിമ്പ്
 गमला- പൂച്ചട്ടി
 गरजना- ഗർജ്ജിക്കുക
 गरम- ചൂടുള്ള
 गरमी(गर्मी) - ചൂട്

गाँव- ഗ്രാമം
 गाडी- വണ്ടി
 गायब- അപ്രത്യക്ഷമായ
 गाली- ചീത്ത, തെറി
 गिनती-എണ്ണം
 गिनना-എണ്ണുക
 गिरजाखर-പള്ളി
 गिरना- വീഴുക
 गिरफ्तार- അറസ്റ്റ്
 गीला- നനഞ്ഞ
 गुज़रना-കടന്നുപോവുക
 गुड- ശർക്കര
 गुडिया-പാവ
 गुलाब-റോസ്
 गुलाम- അടിമ
 गूँगा-ഊമയായ
 गूँजना- മുഴങ്ങുക
 गेंद-പന്ത്
 गेहूँ-ഗോതമ്പ്
 गोरा-വെളുത്ത
 गोश्त-മാംസം
 घंटा-മണിക്കൂർ
 घंटी - മണി -
 घटना-കുറയുക, സംഭവിക്കുക,
 സംഭവം
 घटा - കാർമ്മേഘം
 घडी-വാച്ച്, ടൈംപീസ്, നിമിഷം
 घना-ഇടതിങ്ങിയ, കനത്ത
 घबराना-പരിഭ്രമിക്കുക
 घमंड-ഗർവ്വ്
 घमासान-ഭയങ്കരമായ
 घरेल- വീടിലുള്ള, വീടിൽ

घास - പുല്ല്
 घी- നെയ്യ്
 घुडसवार-കുതിരസവാരിക്കാരൻ
 घुसना- പ്രവേശിക്കുക
 घूँट- ഒരു കവിൾ
 घूमना- ചുറ്റുക, കറങ്ങുക
 घृणा- വെറുപ്പ്
 घेरना- വളയുക
 घोंसला-കൂട്
 घोडा-കുതിര
 चक्कर-കറക്കം, വൃത്തം
 चटाई-പായ
 चटान -പാറ
 चढना-കയറുക
 चना-കടല
 चपरासी-പൂർണ്ണ
 चबाना- ചവയ്ക്കുക
 चबूतरा- തിണ്ണ
 चमकना- പ്രകാശിക്കുക
 चमकीला- തിളങ്ങുന്ന
 चमार-ചെരുപ്പുകുത്തി
 चरखा-ചർക്ക
 चराना- മേയ്ക്കുക
 चरित्र- സ്വഭാവം
 चश्मा-കണ്ണാടി
 चहकना(चहचहाना)- ചിലക്കുക
 चाँद- ചന്ദ്രൻ
 चाँदनी- നിലാവ്
 चाँदी-വെള്ളി
 चाकू-കത്തി
 चाबी-താക്കോൽ
 चारपाई- കട്ടിൽ
 चालाक-സമർത്ഥനായ
 चाहना-ആഗ്രഹിക്കുക
 चिकना- മിനുമിനുത്ത

चिडिया- പക്ഷി
 चिल्लाना- നിലവിളിക്കുക
 चींटी- ഉറുമ്പ്
 चीज़- സാധനം
 चीता- പുളളിപ്പുലി
 चीथड़- പഴന്തുണി
 चीनी- പഞ്ചസാര
 चुकाना- വീട്ടുക
 चुनना- തിരഞ്ഞെടുക്കുക
 चुनाव- തിരഞ്ഞെടുപ്പ്
 चुपचाप- നിശബ്ദമായി
 चुभना-കുത്തിക്കൊള്ളുക
 चुराना- മോഷ്ടിക്കുക
 चुस्त - ചുണയുള്ള
 चूजा - കോഴിക്കുഞ്ഞ്
 चूहा-എലി
 चेचक- മസൂരി
 चेतावनी- മുന്നറിയിപ്പ്
 चेहरा- മുഖം
 चैन- സുഖം
 चोंच- കൊക്ക്
 चोट- മുറിവ്
 चोरी -കളവ്
 चौकना-ഞെട്ടുക
 चौकी- ചെക്ക്പോസ്റ്റ്
 छडी- വടി
 छत-മേൽപുറ
 छपाई-അച്ചടി
 छल-ചതി
 छाछ-മോര്
 छाती-മാർച്ചിടം
 छाना-വ്യാപിക്കുക
 छिपना- ഒളിഞ്ഞു
 छिलका-തൊലി
 छींकना-തുമ്മുക

छूना-തൊടുക
 छोटा-ചെറിയ
 छोडना-ഉപേക്ഷിക്കുക
 छोर-അറ്റം
 जंगल-കാട്
 जंजीर-ചങ്ങല
 जगह-സ്ഥലം
 जज-ജഡ്ജി
 जब-യാതൊരു സമയത്ത്
 जमना-ഉറയ്ക്കുക
 जमाना- കാലം
 जमींदार-ജമീ
 जमीन-ഭൂമി
 ज़रा-കുറച്ച്
 जरूर-തീർച്ചയായും
 जरूरी-ആവശ്യമുള്ള
 जलना-കത്തുക
 जलवायु-കാലാവസ്ഥ
 जलूस-ഘോഷയാത്ര
 जल्दी-വേഗത്തിൽ
 जवान-യുവാവ്
 जवाब-മറുപടി
 ज़हर-വിഷം
 जहाँ- യാതൊരു ദിക്കിൽ
 जहाज़-കപ്പൽ
 जागना-ഉണരുക
 जाडा-മഞ്ഞുകാലം
 जादू-മാജിക്
 जान-ജീവൻ
 जानना-അറിയുക
 जानवर-മൃഗം
 जायका-രുചി
 जायदाद-സ്വത്ത്
 जासूस-ചാരൻ
 ज़िंदगी-ജീവിതം

ഊന-തൊടുക
 ഊറ-ചെറിയ
 ഊടന-ഉപേക്ഷിക്കുക
 ഊര-അറ്റം
 ജംഗൽ-കാട്
 ജംജീർ-ചങ്ങല
 ജഗഹ-സ്ഥലം
 ജജ-ജഡ്ജി
 ജബ-യാതൊരു സമയത്ത്
 ജമന-ഉറയ്ക്കുക
 ജമാന-കാലം
 ജമീന്ദാർ-ജന്മി
 ജമീൻ-ഭൂമി
 ജരാ-കുറച്ച്
 ജരൂർ-തീർച്ചയായും
 ജരൂർ-അവശ്യം
 ജരൂരി-ആവശ്യമുള്ള
 ജലന-കത്തുക
 ജലവാयു-കാലാവസ്ഥ
 ജലൂസ്-ഘോഷയാത്ര
 ജൽദി-വേഗത്തിൽ
 ജവാന-യുവാവ്
 ജവാബ-മറുപടി
 ജഹർ-വിഷം
 ജഹ്-യാതൊരു ദിക്കിൽ
 ജാഗന-ഉണരുക
 ജാദ-മഞ്ഞുകാലം
 ജാദ്-മാജിക്
 ജാന-ജീവൻ
 ജാനന-അറിയുക
 ജാന-പോവുക
 ജായക-രുചി
 ജായദാ-സ്വന്തം

ജുആ-ചുരുക്കി
 ജുകാമ-ജലദോഷം
 ജുർമാന-പിഴ
 ജുലാഹ-നെയ്ത്തുകാരൻ
 ജൂഠ-എച്ചിലായ
 ജൂത-ചെരിപ്പ്
 ജെബ-പോക്കറ്റ്
 ജെൽ-ജയിൽ
 ജൈ-യാതൊരു തരത്തിൽ
 ജോ-യാതൊരുത്തൻ,
 യാതൊന്ന്
 ജോടന-യോജിപ്പിക്കുക
 ജോട-ജോഡി
 ജോതന-ഉഴുക
 ജോർ-ശക്തി
 ജോഷ-ഉത്സാഹം
 ജൗ-ബാർലി
 ജ്യാദാ-കൂടുതൽ
 ജ്യോ-യാതൊരു തരത്തിൽ
 ജ്വലാമുഖി-അഗ്നിപർവ്വതം
 ഇന്റ-കലഹം, കുഴപ്പം
 ഇഗ്ദാ-വഴക്ക്, കലഹം
 ഇന്റന-അരുവി
 ഇലകന-പ്രകാശിക്കുക
 ഇഷ്കന-എത്തിനോക്കുക
 ഇടകി-ശകാരം
 ഇല-തടാകം
 ഇഷ്ലാന-ദേഷ്യപ്പെടുക
 ഇകന-കുനിയുക
 ഇഠ-കളവായ, തെറ്റായ
 ഇപ്പ-ലജ്ജാശീലനായ
 ഇലന-സഹിക്കുക
 ഇപ്പടി-കുടിൽ
 ടട്ടി-കക്കൂസ്

ടുകട-കഷണം
 ടൂണ-പൊട്ടുക
 ടോപി-തൊപ്പി
 ഠഹ്ന-നീൽക്കുക
 ഠീക-ശരിയായ
 ങ്ക-വടി
 ങ്കന-പേടിക്കുക
 ങ്കന-ശകാരിക്കുക
 ങ്ക-പോസ്റ്റ്
 ങ്ക ഘ-പോസ്റ്റാഫീസ്
 ങ്ക-കൊള്ളിക്കാരൻ
 ങ്ക-ഒന്നര
 ങ്ക-ക്യാമ്പ്
 ങ്ക-ചരട്
 ങ്ക-അയഞ്ഞ
 ങ്ക-കുന്മാരം
 തംഗ-ഇടുങ്ങിയ, വിഷമിച്ച
 തംഗി-ദാരിദ്ര്യം, അഭാവം
 തന്ദുസ്ത-ആരോഗ്യമുള്ള
 തന്ദുസ്ത-ആരോഗ്യം
 തക-വരെ
 തകദീർ-ഭാഗ്യം
 തകലിഫ-കഷ്ടപ്പാട്
 തകിയാ-തലയിണ
 തന-ശരീരം
 തന-തടി
 തനിക-കുറച്ച്
 തപസ്യാ-തപസ്സ്
 തബ-അപ്പോൾ
 തമി-അപ്പോൾതന്നെ
 തരകാരി-പച്ചക്കറി
 തരകി-ഉപായം, യുക്തി
 തരകി-പുരോഗതി, ഉയർച്ച
 തരഫ-ദിക്ക്

तरह- തരം, പ്രകാരം
 तराजू- ത്രാസൂ
 तरीका- തരം, രീതി
 तलवार- വാൾ
 तलाक- വിവാഹമോചനം
 तलाश- അന്വേഷണം
 तस्वीर- ചിത്രം
 ताकत- ശക്തി
 ताकि- യാതൊന്നുകൊണ്ട്
 ताज- കിരീടം
 ताज़ा- പുതിയ
 तादाद- സംഖ്യ, എണ്ണം
 तानाशाह- ഏകാധിപതി
 तार- കമ്പി, ചരട്, നൂൽ,
 तारा- നക്ഷത്രം
 तारीफ- പ്രശംസ
 ताला- പൂട്ട്
 तालाब- കുളം
 ताली- താക്കോൽ
 ताश- ചീട്ടുകളി
 तिगुना- മൂന്നിരട്ടി
 तिथि- തീയതി
 तिरछा- ചരിഞ്ഞ
 तिहाई- മൂന്നിലൊന്ന്
 तीखा- തീക്ഷ്ണമായ,
 मुर्ച്ചयु- ഉള്ള
 तीर- അസ്ത്രം, തീരം, തടം
 तुरंत- പെട്ടെന്ന്
 तूफान- കൊടുങ്കാറ്റ്
 तेज- വേഗതയുള്ള
 तेल- എണ്ണ
 तैरना- നീന്തുക
 तो- എങ്കിൽ
 तोड़ना- മുറിക്കുക,

तोलना- തൂക്കിനോക്കുക
 त्यागपत्र- രാജിക്കത്ത്
 त्योहार- ഉത്സവം
 त्रुटि- തെറ്റ്
 थकना- ക്ഷീണിക്കുക
 थकावट- ക്ഷീണം
 थाना- പോലീസ് സ്റ്റേഷൻ
 थाली- തളിക
 थोडा- കുറച്ച്
 थोथा- പൊള്ളയായ
 दंड- ശിക്ഷ
 दफ्तर- ഓഫീസ്
 दबना- അമർത്തപ്പെടുക
 दरबार- രാജസഭസ്സ്
 दर्जन- ഡസൻ
 दर्जी- തൂണൽക്കാരൻ
 दर्द- വേദന
 दल- ഇല, ദളം, കക്ഷി, ഗ്രൂപ്പ്
 दवा- മരുന്ന്
 दवात- മഷിക്കുപ്പി
 दशहरा- ദസറ
 दशा- സ്ഥിതി
 दस्तकारी- കരവേല, കരകൗശലം
 दही- തൈര്
 दाँत- പല്ല്
 दाना- ധാന്യം
 दाम- വില
 दावत- സദ്യ
 दाहिना- വലത്തെ
 दिखाना- കാണിക്കുക
 दिखावटी- ബാഹ്യമോടിയുള്ള,
 कृत्रिमമായ
 दिनांक- തീയതി
 दिमाग- തലച്ചോറ്

दियासलाई- തീപ്പെട്ടി
 दिल- ഹൃദയം
 दिलचस्प - രസകരമായ
 दिलास- സാന്ത്വനം
 दिल्लगी- തമാശ
 दिशा - ദിക്ക്
 दीवार- മതിൽ, ഭിത്തി
 दुकान- പീടിക, കട
 दुकानदार- പീടികക്കാരൻ
 दुगुना- ഇരട്ടി
 दुधारू - പാൽതരുന്ന
 दुबला- മെലിഞ്ഞ
 दुबारा- രണ്ടാമതും
 दुम- വാൽ
 दुर्गा- രണ്ടുനിറമുള്ള
 दुराचारी- വ്യഭിചാരി
 दुर्घटना- അപകടം
 दुलहिन- വധു
 दुविधा- ധർമ്മസങ്കടം
 दुश्मन- ശത്രു
 दुहना- കറക്കുക
 दुहराना- ആവർത്തിക്കുക
 दूध- പാൽ
 दूरबीन- ടെലസ്കോപ്പ്
 दूरी- അകലം
 दूल्हा- വരൻ
 दृश्य- കാഴ്ച, രംഗം
 देखभाल- മേൽനോട്ടം
 देखरेख- സംരക്ഷണം
 देर- സമയം, താമസം
 देहांत- മരണം
 देहात- ഗ്രാമം
 दैनिक- ദിനപ്പത്രം

दोनों-രണ്ടും, രണ്ടുപേരും
 दोपहर-ഉച്ചസമയം
 दौड़ना- ഓടുക
 द्वारा-വഴിയായി
 धंध-തൊഴിൽ
 धक्का- ഉത്, തള്ള
 धन्यवाद- കൃതജ്ഞത
 धमकी- ഭീഷണി
 धागा-ചരട്
 धारा-പ്രവാഹം
 धीरज-ഐര്യം
 धीरे- സാവധാനം
 धुआँ-പുക
 धुंधला-മങ്ങിയ
 धुन-താൽപര്യം, വിചാരം
 धुरा(धुरी)-അക്ഷം, അച്ചുതണ്ട്
 धूप- വെയിൽ
 धूल- പൊടി
 धोखा-വഞ്ചന
 धोना-കഴുകുക
 धोबी- അലക്കുകാരൻ
 ध्यान- ശ്രദ്ധ
 नकद-രൊക്കം
 नकल-പകർപ്പ്, അനുകരണം
 नक्शा-ഭൂപടം
 नज़दीक- അടുത്ത്
 नज़र- ദൃഷ്ടി, നോട്ടം
 नटखट-തെമ്മാടി
 नतीजा-ഫലം
 ननिहाल-അമ്മുമ്മയുടെ വീട്
 नन्हा- ചെറിയ, ഇളയ
 नफरत- വെറുപ്പ്
 नमक-ഉപ്പ്
 नमूना- ഉദാഹരണം

नरम(नर्म)-മൃദുലമായ
 नल-പൈപ്പ്
 नली-ട്യൂബ്
 नशा-ലഹരി
 नसीब-ഭാഗ്യം
 नहाना-കുളിക്കുക
 नहीं-ഇല്ല, അല്ല
 नाई-ബാർബർ
 नाचना-നൃത്തം ചെയ്യുക
 नाटा-ചെറിയ
 नाता-ബന്ധം
 नादान-അറിവില്ലാത്ത,
 വിഡ്ഢി
 नापना-അളക്കുക
 नामुमकिन-അസാധ്യമായ
 नारा-മുദ്രാവാക്യം
 नारियल-നാളികേരം
 नाराज़-ദേഷ്യമുള്ള
 नाला-തോട്, ഗട്ടർ
 नाशता-പ്രാതൽ, ലഘുഭക്ഷണം
 नासमझ-അറിവില്ലാത്ത, വിഡ്ഢി
 निकट-അടുത്ത്
 निकम्मा-ഒന്നും ചെയ്യാത്ത
 निकलना- പുറപ്പെടുക,
 പുറത്തുവരിക, ഉദിക്കുക
 निकालना-പുറത്താക്കുക
 निगलना-വിഴുങ്ങുക
 निगाह-ദൃഷ്ടി, നോട്ടം
 निठला-മടിയനായ
 निडर-നിർഭയനായ
 निभाना-നിറവേറുക
 निर्णय -നിശ്ചയം, തീരുമാനം
 निशान - അടയാളം
 निशाना - ലക്ഷ്യം, ഉന്നം

न्यारा-വിചിത്രം
 न्योता - ക്ഷണം
 पंखा - ചിറക്
 पन्सारी-പലചരക്കുകടക്കാരൻ
 पगड़ी - തലപ്പാവ്,
 പഗഡിപ്പണം
 पचना - ദഹിക്കുക
 पट्टी - ബാൻഡേജ്
 पता - മേൽവിലാസം
 पत्ता - ഇല
 पत्र - എഴുത്ത്, കടലാസ്
 पर -എന്നാൽ,മേൽ,മുകളിൽ
 परसों - മിനിയാന്,മറ്റൊരാൾ
 पल - നിമിഷം
 पहरा - കാവൽ
 पहाडा - ഗുണനപ്പട്ടിക
 पाबंद - നിയന്ത്രണം
 पिरोना - കോർക്കുക
 पीढी - തലമുറ
 पेशा - തൊഴിൽ
 पोंछना - തുടയ്ക്കുക
 पोशाक - വസ്ത്രം, ഉടുപ്പ്
 प्यास - ദാഹം
 फिर - വീണ്ടും, പിന്നീട്
 फिरना - അലഞ്ഞുതിരിയുക
 फीका - മങ്ങിയ
 फुर्तीला -ചുറുചുറുക്കുള്ള
 फौरन - പെട്ടെന്ന്
 बचपन - കുട്ടിക്കാലം
 बढई - ആശാരി
 बढिया-വളരെ,നല്ല,വിശേഷപ്പെട്ട
 बुनना - നെയ്യുക
 बैत - ചുരൽ,വടി
 बेडी - ചങ്ങല

बेशक - നിസ്സംശയം
 बोना - വിതയ്ക്കുക
 भरती - പ്രവേശനം
 मगर - എന്നാൽ, മുതൽ
 मट्ठा - മോര്
 मलना - പുരട്ടുക
 मानना - സമ്മതിക്കുക
 मामूली - സാധാരണ
 मिलना - കിട്ടുക, കണ്ടുമുട്ടുക,
 मुकदमा - കേസ്
 मुकाबला करना - എതിരിടുക
 मौसम - ഊതു, കാലം
 यकीन - വിശ്വാസം
 यद्यपि - എങ്കിലും
 यानी - അതായത്
 रटना - ഉരുവിടുക
 रवाना होना - പുറപ്പെടുക
 रस्म - ആചാരം, രീതി
 राय - അഭിപ്രായം
 रिवाज - രീതി, ആചാരം
 रिश्ता - ബന്ധം
 रीछ - കരടി
 रोशनी - വെളിച്ചം
 लंगडा - മുടന്തുള്ള, മുടന്തൻ
 लगातार - തുടർച്ചയായി
 लगान - കരം
 लगाम - കടിഞ്ഞാൺ
 लटकना - തൂക്കിയിടുക
 लडी - ചങ്ങല
 ललकारना - വെല്ലുവിളിക്കുക
 लिखावट - എഴുത്ത്
 लोहा - ഇരുമ്പ്
 लौटना - മടങ്ങുക
 वगैरह - മുതലായ

वरना - അല്ലാത്തപക്ഷം
 वास्ते - വേണ്ടി
 विनती - അപേക്ഷ
 वैसा - അങ്ങനെയുള്ള
 व्यवहार - പെരുമാറ്റം, ഉപയോഗം
 शक - സംശയം
 शाही - രാജകീയ
 शीशा - സ്ഫടികം, കണ്ണാടി
 शोर - ശബ്ദം
 शौक - ഇഷ്ടം
 श्रद्धा - ബഹുമാനം
 षड्यंत्र - ഗൂഢാലോചന
 संग - കൂട്ട്
 संग्रहालय - മ്യൂസിയം
 संपादक - പത്രാധിപർ
 संसद - പാർലമെന്റ്
 संसार - ലോകം
 संस्कृति - സംസ്കാരം
 सचिव - സെക്രട്ടറി
 सजाना - അലങ്കരിക്കുക
 सतह - മേൽഭാഗം, നിരപ്പ്
 सत्ता - അധികാരം
 सदा - എല്ലായ്പ്പോഴും
 सपना - സ്വപ്നം
 सफर - യാത്ര
 सभापति - അദ്ധ്യക്ഷൻ
 समझौता - സന്ധി, ഒത്തുതീർപ്പ്
 समयसारणी - ടൈം ടേബിൾ
 समस्या - പ്രശ്നം
 समान - തുല്യ, പോലെ
 समाना - കൂടിച്ചേരുക
 सम्मान - ബഹുമാനം
 सराहना - പ്രശംസിക്കുക
 सस्ता - വിലക്കുറഞ്ഞ
 साधु - സന്യാസി

सिकुडना - ചുരുങ്ങുക
 सियार - കുറുക്കൻ
 सिर्फ - കേവലം, മാത്രം
 सिससिला - ക്രമം, വ്യവസ്ഥ
 सीधा - നേരെ
 सुखाना - ഉണക്കുക
 सुनसान - ശൂന്യമായ
 सूँघना - മണക്കുക
 सोना - ഉറങ്ങുക, സ്വർണ്ണം
 हँसिया - അരിവാൾ
 हटाना - പിന്മാറുക, അകലുക
 हठ - വാശി
 हड्डी - എല്ല
 हद - അതിര്
 हमला - ആക്രമണം
 हमेशा - എല്ലായ്പ്പോഴും
 हल - കലപ്പ, പരിഹാരം
 हल्का - കനംകുറഞ്ഞ, വിലക്കുറഞ്ഞ
 हलचल - ബഹളം, കോലാഹലം
 हवा - കാറ്റ്, വായു
 हाजिरी - ഹാജർ, സാന്നിധ്യം
 हानि - ഉപദ്രവം, നഷ്ടം
 हालत - സ്ഥിതി
 हालाँकि - എങ്കിലും
 हिचकना - സങ്കോചിക്കുക
 हित - പ്രയോജനം, നന്മ
 हिरासत - കസ്റ്റഡി
 हिलना - ഇളകുക
 हुकुम - ആജ്ഞ
 हुबहू - ഒരുപോലെ, കൃത്യമായി
 हेठी - അപമാനം

श्री.एम पी श्रीकुमार,
 हिंदी अनुवादक द्वारा संकलित



28.09.2022 को संपन्न हिंदी कार्यशाला- कक्षा लेते हिए श्री सुनीलकुमार, हिंदी अधिकारी, रबड बोर्ड



विश्वकवि रबींद्रनाथ ठाकुर ने एक रूपक द्वारा प्रांतीय और राष्ट्रभाषा के संबंध को स्पष्ट करते हुए लिखा था, “आधुनिक भारत की संस्कृति एक विकसित शतदल के समान है, जिसका एक-एक दल, एक-एक प्रांतीय भाषा और उसका साहित्य संस्कृति है। किसी एक को मिटा देने से फस कमल की शोभा नष्ट हो जाएगी। हम चाहते हैं कि भारत की सब प्रांतीय बोलियाँ, जिनमें सुंदर साहित्य की सृष्टि हुई है, अपने-अपने घर में रानी बन कर रहें। प्रांत की जनगण की हार्दिक चिंता की प्रकाश भूमि स्वरूप कविता की भाषा होकर रहे और आधुनिक भाषाओं के हार के मध्य मणि हिंदी भारत-भारती होकर विराजती रहे। “

Self Care Activation	
For Tele verification	Dial 1507
To know your own Mobile Number	Dial *888#
To Know Balance and Plan validity	Dial *123# or Call 123
To Activate STVs	Dial *124# and select the requirement
To know activated STV details	Dial *124*2#
To Activate Missed Call Alert Service	Dial **62*+9117010#
Activate Data	SMS START to 1925
Activate ISD	SMS ACT ISD to 53733
Stop Unwanted calls	SMS START DND to 1909 or call 1909
To Activate Ring Back Tune	BT ACT to 56700 Or Dial 56700
To Stop VAS Service	STOP to 155223